खंड 10 संख्या 19

बिहार विधान-सभा

(भाग-2—कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित)

वृहस्पतिवार, तिथि 21 जुलाई, 1983 ।

विषय-सूची

	पृष्ठ
अध्यक्षीय घोषणा	1
शून्य-काल को चर्चाएं :	1—8
(क) पुलिस की अनियामितता	
(ख) पुलिस द्वारा अत्याचार	
(ग) गंगा नदी का कटाव	
(घ) पुलिस द्वारा अत्याचार	
ध्यानाकर्षण पर सरकारी वक्तव्य :	9
सिंचाई की सुविधा	
अत्यावश्यक लोक महत्व के विषय पर ध्यानाकर्षण :	10
डा० प्रभा गुप्ता की लापरवाही	
अत्यावश्यक लोक महत्व के विषय पर ध्यानाकर्षण एवं उस पर सरकारी वक्तव्य :	10-11
सरकारी भवन का आवंटन	
अत्यावश्यक लोक महत्व के विषय पर ध्यानाकर्षण :	12—14
(क) तटबंध के शेष भाग को पूरा करना	
(ख) डी० एस० पी० द्वारा झूठा मुकदमा	

श्री उमेश्वर प्रसाद वर्मा—बरसात में कुछ करना मुश्किल है लेकिन हमने जो आश्वासन दिया है कि 1984 तक बांध को पूरा करा देंगे।

श्री कर्पूरी ठाकुर—मंत्री महोदय, शायद आप जानते नहीं हैं कि कटाव से बचाने का काम बाढ़ और बरसात में ही होता है और उसमें इन्जीनियर्स को ज्यादा फायदा होता है।

श्री उमेश्वर प्रसाद वर्मा—माननीय सदस्य का कहना ठीक है लेकिन हमको राज्य के हित को भी देखना है इन्जीनियर के हित को नहीं देखना है।

याचिकाओं का उपस्थापन।

श्री अभय चरण लाल—अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी याचिका उपस्थापित करता हूं।

श्री तुलसी सिंह—अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी याचिका उपस्थापित करता हूं।

लोक लेखा समिति के प्रतिवेदन का उपस्थापन।

श्री नागेन्द्र झा—अध्यक्ष महोदय, मैं सभापति, लोक लेखा समिति, पर्यटन विभाग से संबंधित लोक लेखा समिति का 183वां प्रतिवेदन सदन में उपस्थापित करता हूं।

आय-व्ययक :

1983-84 वर्ष के अनुदानों की मांगों पर मतदान : मंत्रि परिषद्, निर्वाचन, सचिवालय एवं जिला प्रशासन : कटौती प्रस्ताव।

इस खर्च का औचित्य।

श्री रामलखन सिंह यादव—अध्यक्ष महोदय, सामान्य प्रशासन पर कटौती प्रस्ताव पेश करते हुये तथा उसके पक्ष में बोलते हुये हमारे कई माननीय सदस्यों ने और विशेषकर हमारे जो विरोधी दल के नेता, श्री कर्पूरी ठाकुर हैं, ने इस प्रशासन में